PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 052
दि. 21.06.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'राष्ट्र प्रथम' भाजपा की पहचान, बुंदेलखंड में दिख रहा विकास का नया माडल : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी में कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब देश का हर गांव, हर नगर और हर जिला आत्मनिर्भर बनेगा।

विकसित भारत के लिए हर गांव-शहर का आत्मनिर्भर होना जरूरी।

बुंदेलखंड अब निवेश, उद्योग और रोजगार का नया केंद्र।

ललितपुर में 1500 एकड़ में बनेगा प्रदेश का पहला फार्मा पार्क।

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब देश का हर गांव, हर नगर और हर जिला आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के लिए पंच प्रण का मार्ग दिखाया है। इसमें गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, सामाजिक एकता, नागरिक कर्तव्य और राष्ट्र सुरक्षा के प्रति सम्मान प्रमुख हैं।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की यह कहकर आलोचना की कि कांग्रेस के लिए गांधी परिवार और सपा के लिए सैफई परिवार ही सबसे महत्वपूर्ण रहा है, जबकि भाजपा की राजनीति 'राष्ट्र

प्रथम' के सिद्धांत पर आधारित है।

सत्ता से बाहर होने के बाद दोनों दल जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को झांसी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस पर साधा निशाना

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुगलों और अंग्रेजी शासन के दौरान पनपी गुलामी की मानसिकता का असर कांग्रेसियों और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर इतना था कि उन्होंने सरदार पटेल के सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम में राष्ट्रपति को जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि पूर्वजों की विरासत को भूलकर कांग्रेसी पोप के पीछे भागने लगे।

इसके चलते वे अपनी भाषा, संस्कृति और विरासत पर गर्व करने के बजाय पाश्चात्य संस्कृति तथा अंग्रेजी को श्रेष्ठ मानने लगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास और लोकार्पण के साथ धर्मध्वजा फहराकर देश की विरासत और सनातन परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य किया।

झांसी और ललितपुर में आयोजित कार्यक्रमों में बुंदेलखंड को विकास का नया माडल बताते हुए उन्होंने कहा कि डिफेंस कारिडोर, एक्सप्रेसवे, मेडिकल कालेज, सिंचाई परियोजनाओं और औद्योगिक निवेश ने क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों ने आपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को नए भारत की ताकत दिखाई और पाकिस्तान को मदद की गुहार लगाने पर मजबूर कर दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के दौरान देश भ्रष्टाचार, आर्थिक सुस्ती और कमजोर शासन का शिकार था। पिछले वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। एक्सप्रेसवे, रेलवे, एयर कनेक्टिविटी, डिजिटल सेवाओं और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में बड़े बदलाव हुए हैं। ललितपुर के तुवन मंदिर मैदान में मुख्यमंत्री ने 1766 करोड़ रुपये की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

ललितपुर में 1500 एकड़ क्षेत्र में बनेगा प्रदेश का पहला फार्मा पार्क

योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के पहले फार्मा पार्क की स्थापना ललितपुर में किए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लगभग 1500 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला यह पार्क हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। भविष्य में आयुष फार्मा पार्क भी स्थापित किया जाएगा।

पहले बुंदेलखंड की पहचान सूखा, पलायन और पिछड़ेपन से होती थी, लेकिन आज यह क्षेत्र निवेश, उद्योग और रोजगार का केंद्र बन रहा है। हर घर जल योजना से महिलाओं को राहत मिली है, जबकि केन-बेतवा लिंक परियोजना, अर्जुन सहायक, रतौली, बावनी और कचनौदा बांध जैसी योजनाओं ने किसानों की आय बढ़ाने का रास्ता खोला है।

रविवार को हमीरपुर आएंगे सीएम योगी, 636.82 करोड़ की 75 परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

(जीएनएस)।

हमीरपुर। बुंदेलखंड का पिछड़ा जिला कहे जाने वाले जनपद हमीरपुर के कस्बा राठ में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन हो रहा है। जहां पर वह शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और शिक्षा समेत विभिन्न योजनाओं को नई गति प्रदान करेंगें।

मुख्यमंत्री के द्वारा 636.82 करोड़ की 75 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। जिसको लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं।

रविवार की दोपहर करीब पौने एक बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर राठ कस्बा स्थित स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय परिसर में बने हेलीपैड में उतरेगा। जहां से वह जनसभा मंच के लिए रवाना होगें। जहां पर वह जनपद के सर्वांगीण विकास से संबंधित 75 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। जिनकी कुल लागत 636.82 करोड़ है।

यह परियोजनाएं जनपद में आधारभूत संरचना, संपर्क मार्ग, सिंचाई, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनोपयोगी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जनसभा को भी संबोधित करेंगे तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ एवं प्रमाण-पत्र भी वितरित करेंगे। साथ ही प्रदेश सरकार की केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों और योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे।

परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण

लोकार्पण

कुल परियोजनाएं : 34
कुल लागत : 225.08 करोड़

शिलान्यास

कुल परियोजनाएं : 41
कुल लागत : 411.73 करोड़
कुल योग
कुल परियोजनाएं : 75
कुल लागत : 636.82 करोड़
विधानसभावार विवरण

हमीरपुर विधानसभा

लोकार्पण : 21 परियोजनाएं (65.27 करोड़)
शिलान्यास : 24 परियोजनाएं (219.19 करोड़)
कुल : 45 परियोजनाएं (284.46 करोड़)

राठ विधानसभा

लोकार्पण : 13 परियोजनाएं (159.81 करोड़)
शिलान्यास : 17 परियोजनाएं (192.54 करोड़)
कुल : 30 परियोजनाएं (352.35 करोड़)

दस जोन व 24 सेक्टर में बंटेगा राठ कस्बा, लगेंगें 700 से अधिक पुलिस कर्मी

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि दस जोन व 24 सेक्टर में कस्बे को बांटा गया है। जिसमें तीन सुपर जोन में रखे गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए आठ सीओ, दो एएसपी समेत कुल सात सौ से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

यातायात को लेकर रुट डायवर्जन किया गया है। आंबेडकर तिराहे से प्रवेश रोका गया है। जनसभा स्थल पर चार गेट बनाए गए हैं। जिसमें एक आपातकालीन गेट शामिल हैं हर गेट पर सघन चेकिंग होगी, जिसके बाद जनसभा के अंदर लोगों को इंट्री दी जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर पीएसी भी तैनात की गई है। इसके अलावा वाहनों की पार्किंग के लिए अलग से व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया पर कड़ी कार्वाई के निर्देश दिये

झांसी (उप्र), 20 जून (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए माफिया पर कड़ी कार्वाई के निर्देश दिए। आयुक्त सभागार में जनपद झांसी के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इसको सुदृढ़ बनाए जाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में अवैध खनन, गो तस्करी, भू माफिया, शराब माफिया पर कड़ी कार्वाई की जाए।

योगी ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अकेला ऐसा राज्य है जहां खनन नीति बनाई गई है।

चुनावी सरगर्मियों के बीच दतिया पहुंचे यूपी के दिग्गजः सीएम योगी और डिप्टी सीएम मौर्य ने पीतांबरा पीठ में की पूजा-अर्चना

(जीएनएस)।

दतिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को दतिया पहुंचे। जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्री पीतांबरा पीठ में मां बगलामुखी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने पीतांबरा पीठ परिसर में स्थित महाभारत कालीन वानखंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक भी किया। इस दौरान पीठ के पुजारियों ने मंत्रोच्चार के बीच योगी से जलाभिषेक कराया।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशेष विमान से दतिया एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, शिमला विधायक प्रदीप अग्रवाल कलेक्टर स्वप्निल वानखडे व एसपी मयूर खंडेलवाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी अगवानी कर स्वागत किया। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री ने पार्टीजन से भी मिले। इसके बाद सीधे पीतांबरा पीठ पहुंचे, जहां मंदिर प्रबंधन एवं पुजारियों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई।

पूजा-अर्चना कर ललितपुर हुए रवानाः पीताम्बरा पीठ में दर्शन एवं पूजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा। धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद मुख्यमंत्री कुछ समय तक मंदिर परिसर में रहे तथा वहां स्थित अन्य मंदिरों के भी उन्होने दर्शन किए। दर्शन और पूजा-अर्चना के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दतिया से उत्तर प्रदेश के ललितपुर के लिए रवाना हो गए। योगी की सुरक्षा के मद्देनजर पीठ के आसपास की दुकानें भी बंद रही।

मौर्य भी पहुंचे दतियाः वही उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य भी शनिवार सुबह दतिया पहुंचे। जहां उन्होंने सुबह पीतांबरा पीठ पर दर्शन पूजन किया। इसके बाद वह वापस रतन महल होटल पहुंचे, जहां से अगले गंतव्य के लिए रवाना हुए। दोनों दिग्गज नेताओं की इस दौरान आपस में मुलाकात नहीं हो सकी।

प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ को लेकर घिरे शशि थरूर, कांग्रेस ने कहा- जो कहा ही नहीं वह भी सुन लिया

(जीएनएस)।

कांग्रेस और शशि थरूर के बीच एक नया विवाद शुरू हो गया है. कांग्रेस ने थरूर पर तंज कसा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के लिए उनका "प्यार" अब इतना बढ़ गया है कि वो वो बातें भी सुन लेते हैं जो पीएम मोदी ने कभी कही ही नहीं. ये पूरा मामला भारतीय नाविकों की सुरक्षा से जुड़े एक बयान को लेकर शुरू हुआ है.

शशि थरूर ने कहा था कि पीएम मोदी ने अपनी पब्लिक और प्राइवेट बातचीत दोनों में भारतीय नागरिक नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था. थरूर के मुताबिक पीएम मोदी का कहना था कि युद्ध के समय कमर्शियल जहाजों पर काम करने वाले सिविलियन नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए.

थरूर ने कहा था, 'ये बताना जरूरी है कि युद्ध के समय कमर्शियल जहाजों पर मौजूद सिविलियन नाविक लड़ाई के निशाने पर नहीं होने चाहिए. वो सैनिक नहीं हैं, और यही बात पीएम मोदी ने कही.'

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने थरूर के इस बयान पर तंज कसते हुए कहा कि उनके सीनियर साथी डॉक्टर शशि थरूर का पीएम मोदी के लिए प्यार अब इस दुनिया की सीमाओं से भी आगे निकल गया है. खेड़ा ने कहा कि थरूर अब वो बातें भी सुन सकते हैं जो पीएम मोदी कहते ही नहीं.

खेड़ा ने इसके पीछे एक तर्क भी दिया. उनका कहना था कि विदेश मंत्रालय ने जी7 समिट के दौरान मोदी और ट्रंप की मुलाकात का जो ऑफिशियल रीडआउट जारी किया था, उसमें ओमान की खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की अमेरिका द्वारा की गई 'हत्या' का कोई जिक्र नहीं था.

खेड़ा ने यह भी कहा कि ये ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी और ट्रंप की पहली मुलाकात थी, लेकिन रीडआउट में ऐसा कुछ नहीं था जिससे ये पता चले कि मोदी ने ट्रंप के उस दावे को चैलेंज किया हो, जिसमें ट्रंप 120 से ज्यादा बार कह चुके हैं कि उन्होंने भारत को ट्रेड में नुकसान की धमकी देकर सीजफायर कराया था.

खेड़ा ने आगे कहा कि ऑफिशियल रीडआउट में ईरानी फ्रिगेट क्क्क्र ऊेल्लं पर हुए हमले का भी कोई जिक्र नहीं था, जो हाल ही में मिलन-2026 के दौरान भारत का मेहमान बना था और भारत के पड़ोस में हुई एक बड़ी घटना थी.

खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा, "और फिर भी थरूर को न जाने कैसे वो दमदार बातें, मजबूत जवाब और जबरदस्त कूटनीति सुनाई दे गई जो कभी ऑफिशियल रिकॉर्ड में आई ही नहीं. शायद हम बाकी लोग सामान्य इंसानी क्षमताओं तक सीमित हैं. 'महा-मानव मोदी' के भक्तों के लिए, मोदी जितना कम बोलते हैं, उतना ही ज्यादा वो सुन लेते हैं."

थरूर का जवाब

इस तंज के जवाब में शशि थरूर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारतीय नागरिक नाविकों की सुरक्षा को लेकर दिए गए एक बयान को राजनीतिक रंग देना बेहद हैरान करने वाली बात है. उन्होंने लिखा, "तीन भारतीयों की जान गई है. मेरी बात हमारे नागरिकों की सुरक्षा और इस सिद्धांत के बारे में थी कि समुद्र में काम करने वाले सिविलियन नाविकों को कभी भी मिलिट्री एक्शन का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए."

थरूर ने आगे कहा, "अगर कुछ लोगों को राजनीतिक फायदा उठाने में ज्यादा दिलचस्पी है बजाय इस चिंता को समझने के, तो ये बात उनके बारे में ज्यादा कहती है, मेरे बारे में नहीं."

आकाश यादव जिसको लेकर तेज प्रताप बोले-'ये आदमी मेरी और पिता लालू की हत्या करवाना चाहता है', एफआईआर दर्ज

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में एक बार फिर तेज प्रताप यादव सुर्खियों में हैं। इस बार वजह कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि आकाश यादव के साथ बढ़ता विवाद है। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) से अलग होकर अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल (JJD) बनाने वाले तेज प्रताप यादव ने आकाश यादव के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इतना ही नहीं, उन्होंने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और उनकी जान को खतरा है।

तेज प्रताप का दावा है कि कुछ लोग उनके घर तक पहुंच गए थे और यह पूरा घटनाक्रम उन्हें डराने और दबाव बनाने की कोशिश का हिस्सा हो सकता है। दूसरी तरफ आकाश यादव भी चुप नहीं हैं और उन्होंने भी तेज प्रताप के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर आकाश यादव हैं कौन, जिनके साथ तेज प्रताप का विवाद इतना बड़ा रूप ले चुका है।

यह कहानी सिर्फ एकतरफा नहीं है। आकाश यादव ने भी अदालती आदेश के बाद पटना के पाटलिपुत्र थाने में तेज प्रताप यादव और उनके पीए मोती लाल यादव के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करवा दिया है। इस हाई-प्रोफाइल ड्रामे के पीछे 'अनुष्का यादव' और उनकी नवजात बेटी का एक ऐसा कनेक्शन है, जिसने लालू परिवार के भीतर भी भारी उथल-पुथल मचाई थी।

आकाश यादव बिहार की छात्र राजनीति का एक जाना-माना चेहरा हैं और वह अनुष्का यादव के सगे भाई हैं। एक समय था जब आकाश यादव को तेज प्रताप यादव का सबसे करीबी राइट-हैंड माना जाता था। इसी रसूख के चलते तेज प्रताप ने उन्हें राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के छात्र संगठन 'छात्र राजद' का प्रदेश अध्यक्ष बनवाया था।

लंदन में 2 ट्रेनों की टक्कर कैसे हुई? ड्राइवर की मौत, 80 घायल, यात्री बोला-'हर तरफ खून और टूटी टांगें दिख रहीं'

ब्रिटेन में 19 जून शाम एक बड़ा रेल हादसा हो गया जिसने पूरे देश को झकझोर दिया।

लंदन जाने वाली दो यात्री ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर में एक ट्रेन चालक की मौत हो गई, जबकि 80 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसे के बाद सामने आए यात्रियों के बयान इस दुर्घटना की भयावहता को बयां कर रहे हैं। किसी ने अचानक जोरदार धमाका महसूस किया, तो किसी ने डिब्बों के अंदर लोगों को खून से लथपथ हालत में देखा। कई यात्रियों के पैर टूट गए और दर्जनों लोगों को गंभीर चोटें आईं। यह दुर्घटना लंदन से करीब 90 किलोमीटर दूर बेडफोर्ड इलाके के पास शुक्रवार शाम करीब 5 बजकर 15 मिनट पर हुई।

मालवा से होगा विकसित मध्यप्रदेश का सूर्योदय, 6 जिलों के 2781 गांवों की बदलेगी तस्वीर, मिलेगा सवा करोड़ लोगों को फायदा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश मालवा क्षेत्र के लिए यूआईएमआर महानगरीय मॉडल लॉन्च करता है, जो इंदौर और छह जिलों को 2781 गांवों से जोड़ता है। योजना का लक्ष्य प्रमुख आर्थिक केंद्रों तक 60 मिनट की पहुंच, एक ब्लू-ग्रीन विकास नीति, और एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र की ओर बदलाव है, साथ ही डेटा-संचालित शासन के माध्यम से पर्यटन और शहरी नियोजन को बढ़ावा देना है।

मध्यप्रदेश सरकार ने 'विकसित भारत @2047' के विजन को गति देने के लिए मालवा क्षेत्र में एक महत्वाकांक्षी विकास मॉडल तैयार किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में तैयार की गई UIMR (अर्बन इंटीग्रेटेड मेट्रोपॉलिटन रीजन) योजना अब प्रदेश की प्रगति का नया प्रवेश द्वार बनने जा रही है। इस योजना के तहत इंदौर समेत 6 जिलों, 38 तहसीलों और 2781 गांवों को एकीकृत विकास मॉडल से जोड़ा जाएगा।

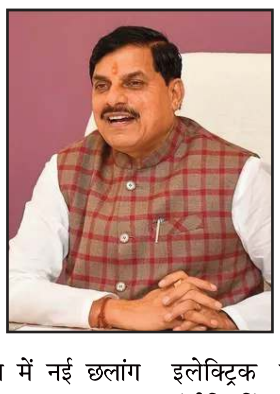

सरकार का दावा है कि इस परियोजना से मालवा क्षेत्र के सवा करोड़ लोगों के जीवन स्तर में बड़ा बदलाव आएगा और मध्यप्रदेश विकसित राज्य बनने की दिशा में नई छलांग लगाएगा। वक्टफ क्षेत्र का दायरा बढ़ाकर अब 16 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक कर दिया गया है, जिसमें इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम और शाजापुर जिले शामिल हैं।

प्रदेश सरकार मालवा क्षेत्र को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 13,500 हेक्टेयर से अधिक भूमि बैंक और 14 नए औद्योगिक पार्क प्रस्तावित किए गए हैं। अनुमान है कि इस औद्योगिक विस्तार से करीब 5 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा।

पीथमपुर को इलेक्ट्रिक व्हीकल और एडवांस इंजीनियरिंग हब के रूप में विकसित किया जाएगा, जबकि उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी को 'एंकर सिटी' बनाया जाएगा। रतलाम को लॉजिस्टिक्स और एक्सपोर्ट हब के तौर पर नई पहचान देने की योजना है।

60 मिनट एक्सेस मॉडल पर होगा विकास

इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत '60 मिनट एक्सेस' विजन है। सरकार का लक्ष्य है कि पूरे 16 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किसी भी प्रमुख आर्थिक केंद्र तक अधिकतम एक घंटे में पहुंच सुनिश्चित की जाए।

इसके लिए इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, इंदौर-भोपाल एक्सप्रेसवे और उज्जैन-इंदौर मेट्रो विस्तार जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो चुका है। यह क्षेत्र सीधे दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (DMIC) से भी जुड़ जाएगा, जिससे उद्योगों और निर्यात गतिविधियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

3 किलो का दीपक, 34 किलोग्राम से ज्यादा की चांदी कहां गई पता नहीं, राम मंदिर में दान देने वाले अनुराग रस्तोगी का खुलासा

(जीएनएस)।

अयोध्याः राम मंदिर चंदा चोरी मामले की एसआईटी जांच पूरी हो गई है। जल्द ही एसआईटी अपनी रिपोर्ट सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंप सकती है। इस बीच, इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के उत्तर भारत के प्रमुख अनुराग रस्तोगी ने सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि आज आप लोगों के सामने ये बताना मजबूरी हो गया कि मैंने अपने परिवार की ओर से 3 किलोग्राम चांदी का एक दीपक बनाया और उसको गुप्त दान किया था। गुप्त दान की इजाजत चंपत राय ने ही हमको दी थी। डॉ. अनिल मिश्रा ने वह दीपक जलाया। जब तक नया मंदिर नहीं बना, तब तक वह अखंड ज्योति जलती रही। नया मंदिर बना तो दीपक का कुछ पता नहीं, वह कहां रखा गया है।

हमारी चांदी का नींव में नहीं हुआ इस्तेमाल- अनुराग रस्तोगी

अनुराग रस्तोगी आगे कहा कि मैंने अपने सदस्यों से अपील की थी कि जो भी दान करना चाहे, वह हमें केवल 10 ग्राम चांदी भेजें। हमने इन दानों को इकट्ठा करके भगवान श्री राम के चरणों में अर्पित करने की योजना बनाई थी, ताकि जब नया मंदिर बने और नींव रखी जाए, तो हमारी चांदी

उस नींव का हिस्सा हो। देशभर से 10 ग्राम से लेकर 1 किलोग्राम तक लोगों ने हमें चांदी भेजी। 34 किलो 644 ग्राम चांदी इकट्ठा हुई थी। उस चांदी को लेकर हम अयोध्या गए। वहां शशिदास जी महाराज के प्रांगण में उसका भव्य पूजन हुआ। हमने चांदी इस अनुरोध के साथ दी थी कि भूमि पूजन के दौरान इसका उपयोग नींव के काम में किया जाए। हालांकि, जब भूमि पूजन हुआ, तो हमने हर जगह ढूंढा, लेकिन वह चांदी कहीं नहीं मिली

'मुझे मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है'

उन्होंने कहा कि जब मैंने चांदी जमा की थी, तो मुझे हर चीज की पूरी रसीद मिली थी। मुझे लगता है कि ट्रस्ट ने इसका उचित उपयोग किया होगा, क्योंकि राम मंदिर में कई जगहों पर चांदी का उपयोग किया गया है। मुझे मुख्यमंत्री जी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने एक एसआईटी टीम गठित की है और हमें पंद्रह दिन इंतजार करने को कहा है। 15 में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हमें उन पर पूरा विश्वास है। मुझे पूरा यकीन है कि वे ऐसी घटना नहीं होने देंगे।

लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए

अनुराग रस्तोगी ने कहा कि पैसा चला जाए कोई बात नहीं है, लेकिन लोगों की आस्था से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था राम मंदिर से जुड़ी हुई है। जो दोषी लोग हैं, उनको जल्द ही सामने लाया जाएगा। कहा कि जो कुछ नए लोग आए, उन्होंने कुछ ऐसा किया, जो पूरा डिपार्टमेंट बदनाम हुआ। अगर एसआईटी को कभी मेरी जरूरत महसूस होती है, तो मैं हमेशा उपलब्ध रहूंगा और मुझसे मांगी गई कोई भी चीज उपलब्ध कराऊंगा।

आरएसएस दफ्तर अटैक केसः आईएसआई चला रही थी 'ऑपरेशन यूपी', लखनऊ में होने वाली थी सीक्रेट मीटिंग, क्या अयोध्या था अगला टारगेट?

रांची के फ्रर दफ्तर में 16 जून की रात पेट्रोल बम फेंका गया. मामले में गिरफ्तार हुए दो आरोपियों ने कई राज उगले हैं. वह पाकिस्तान के हेंडलर्स के संपर्क में थे. आरोपी अमन अंसारी का कहना है कि- लखनऊ में सीक्रेट मीटिंग होने वाली थी. ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि क्या आतंकियों का अगला टारगेट लखनऊ से राम मंदिर अयोध्या जाने का था?

(जीएनएस)।

रांचीः झारखंड में फ्रर दफ्तर पर हुए हमले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ. गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक के कथित 'ऑपरेशन यूपी' और 'ऑपरेशन पंजाब' की बात सामने आई. पूछताछ में आरोपी अमन अंसारी ने बताया कि दुबई से भारत लौटने के बाद उसे पंजाब भेजा गया था. वहां उसे एक 'बॉस' से मिलना था. कुछ दिन पंजाब में रुकने के बाद वह वापस रांची लौट आया. इसके बाद क्रक हैंडलरों की ओर से उसे और उसके साथी सैफ को लखनऊ जाने का ऑर्डर मिला था.

जानकारी के मुताबिक दोनों ट्रेन

से कानपुर होते हुए लखनऊ जाने के लिए निकले भी थे, लेकिन कोडरमा में ही रांची पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. जांच एजेंसियों का मानना है कि यदि दोनों लखनऊ पहुंच जाते तो वहां क्रक से जुड़े किसी स्लीपर सेल सदस्य से मुलाकात होती.

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, लखनऊ में होने वाली इस बैठक का मकसद बेहद महत्वपूर्ण हो सकता था. पूछताछ में यह बात सामने आई है कि वहां आरोपियों को कोई बड़ा टास्क सौंपा जाना था. इसी वजह से एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आखिर 'ऑपरेशन यूपी' का वास्तविक उद्देश्य क्या था? जांचकर्ता इस एंगल से भी जांच कर रहे हैं कि कहीं लखनऊ के बाद अयोध्या जाने की कोई योजना तो नहीं थी.

सूत्रों के अनुसार, लखनऊ में सक्रिय संदिग्ध स्लीपर सेल की तलाश में कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है. एजेंसियां उन लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं जो इस पूरे नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं. जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि फ्रर कार्यालय पर हमले को अंजाम देने के लिए कुल डेढ़ लाख रुपये की डील तय हुई थी. यह रकम तीनों आरोपियों के बीच बांटी जानी थी. शुरूआती भुगतान के तौर पर 10 हजार रुपये दफस्कैनर के जरिए भेजे गए थे. अब एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि भुगतान करने वाला व्यक्ति कौन था और पैसा कहां से आया.

ऑडियो की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसियां

सुरक्षा एजेंसियों के हाथ अमन अंसारी और उसके कथित पाकिस्तानी हैंडलर 'राणा साहब' के बीच हुई बातचीत के दो ऑडियो भी लगे हैं. इन ऑडियो में भविष्य में 'बड़ा टास्क' दिए जाने का जिक्र बताया जा रहा है. एजेंसियां ऑडियो की फोरेंसिक जांच कर रही हैं और पूरे मॉड्यूल का पदार्फाश करने में जुटी हैं.

बारिश से पहले फिर धंसा रामपथ, छिपाने के लिए सामने रखे दो डस्टबिन, सड़क निर्माण के कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी को लेकर उठे सवाल

]]

अयोध्या, एक बार फिर रामपथ की सड़क धंसने पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों ने इस पर नाराजगी जताई है। आरोप है कि सड़क निर्माण के कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई जिसके चलते बार-बार सड़क धंस रही है।

करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित राम पथ एक बार फिर धंस जाने से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। शनिवार को अमानीगंज स्थित जलकल विभाग के पास राम पथ की सड़क अचानक धंस गई, जिससे सीवर लाइन के ऊपर लगभग ढाई फीट गहरा गड्ढा बन गया। घटना के बाद क्षेत्र में आवागमन

प्रभावित हुआ और लोगों में नाराजगी देखी गई। वहीं लापरवाही का आलम यह रहा कि धंसी सड़क न दिखे तो उसे डस्टबीन से छुपाने के लिए सड़क पर दो डस्टबीन लगा दिए गए।

बताया जा रहा है कि राज्य सरकार की ओर से लगभग 13 किलोमीटर लंबे राम पथ का निर्माण कराया गया था, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही यह मार्ग लगातार धंसने की घटनाओं के कारण चर्चा में रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई जिसके चलते बार-बार सड़क धंस रही है।

जानकारी के अनुसार यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी राम पथ 12 बार से अधिक बार विभिन्न स्थानों पर सड़क धंस चुकी है। लोगों का कहना है कि पांच वर्ष की निर्धारित आयु पूरी होने से पहले ही सड़क की यह स्थिति निर्माण कार्यों की वास्तविकता को उजागर कर रही है। बारिश शुरू होने से पहले ही सड़क धंसने की घटना ने प्रशासन और निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। स्थानीय नागरिकों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई व स्थायी समाधान की मांग की है।

नीट परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज बसों में आज से आधा किराया, गोरखपुर-लखनऊ के बीच लगेंगी 4 अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)।

लखनऊ। नीट यूजी की 21 जून को होने वाली परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को शुक्रवार मध्यरात्रि के बाद से रोडवेज व सिटी बसों के टिकट में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सिटी ट्रांसपोर्ट लखनऊ के 22 मार्गो पर ई-सिटी बसों का संचालन करेगा। वहीं, परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन 21 जून को गोरखपुर-लखनऊ-गोरखपुर के मध्य चार अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाएगा।

अवध बस डिपो के नोडल सत्यनारायण चौधरी ने बताया, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर परीक्षार्थियों के लिए हेल्पडेस्क बनी है। परीक्षार्थी आसानी से अपने सेंटर से सिटी बसों से पहुंच सकेंगे। क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने बताया, रोडवेज बसों के हर श्रेणियों में किराये में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। चाहे साधारण बस सेवा हो या वातानुकूलित बस सेवा हो। एसी ई

सिटी बसों में भी छूट की व्यवस्था रहेगी। इन बसों से सफर करने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र की एक कापी बस कंडक्टर को देना होगा।

21 जून की रात बारह बजे तक मिलेगी छूट की सुविधा

परीक्षार्थियों को बसों की छूट की सुविधा 21 जून की रात बारह बजे तक मिलेगी। परीक्षार्थी सिटी ट्रांसपोर्ट के हेल्पलाइन नंबर 18001805014 पर संपर्क करके सिटी बसों के संचालन की जानकारी ले सकते है।पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता के अनुसार, 05007 गोरखपुर से लखनऊ जंक्शन के लिए गोरखपुर से 04:05 बजे चलेगी। खलीलाबाद से 04:56 बजे, बस्ती से 05:22 बजे, बभनान से 05:52 बजे, मनकापुर से 06:22 बजे, गोंडा से 06:55 बजे, करनैलगंज से 07:24 बजे बाराबंकी से 08:38 बजे, बादशाह नगर से 09:20 बजे छूटकर लखनऊ जंक्शन पर 10:00 बजे पहुंचेगी।

05008 लखनऊ से गोरखपुर के लिए लखनऊ जं. से 19:15 बजे चलकर बादशाहनगर से 19:50 बजे चलकर गोरखपुर 01:15 बजे पहंचेगी। 05036 लखनऊ से गोरखपुर के लिए लखनऊ जं. से 04:40 बजे चलेगी। बादशाह नगर से 05:10 बजे चलकर गोरखपुर 10:05 बजे पहुंचेगी।

05035 गोरखपुर से लखनऊ जं. के लिए गोरखपुर से 19:15 बजे चलकर अगले दिन बादशाह नगर 00:32 बजे पहुंचेगी, यहां से छूटकर लखनऊ जं 01:10 बजे पहुंचेगी। इन गाड़ियों में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10 कोच होंगे।

अयोध्या धाम का कायाकल्पः चौरासी कोसी मार्ग का ₹20.64 करोड़ से बदला स्वरूप, अब श्रद्धालुओं को मिलेंगी ये आधुनिक सुविधाएं

(जीएनएस)।

अयोध्या धाम। भगवान श्री राम की पावन नगरी अयोध्या में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और रामभक्तों की सुविधा के लिए योगी सरकार निरंतर बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में, चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित छह प्रमुख ऐतिहासिक आश्रमों का व्यापक विकास और सुदृढ़ीकरण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

पर्यटन विभाग की इस विशेष पहल के अंतर्गत 20.64 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से इन आश्रमों को सर्वआधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

इस परियोजना के पूरे होने से अब लंबी परिक्रमा पर निकलने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर ठहराव, सात्विक खान-पान और शुद्ध पेयजल की उत्तम व्यवस्था सुलभ हो सकेगी।

आंकड़ों में समझिए विकास परियोजना का पूरा खाका

इस पूरी विकास परियोजना को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से धरातल पर उतारा गया है। प्रोजेक्ट से जुड़े महत्वपूर्ण सांख्यिकीय और प्रशासनिक विवरण नीचे दी गई तालिका में स्पष्ट हैं:

परियोजना का मुख्य आयाम

प्रामाणिक प्रशासनिक विवरण

कुल स्वीकृत बजट
20.64 करोड़ रुपये

कार्य प्रारंभ होने की तिथि 3 0 मई 2023

कार्यदायी संस्था : उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कार्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

परियोजना प्रबंधक (UPPCL अयोध्या) मनोज शर्मा

कालेकल्प किए गए 6 प्रमुख आश्रम 1. श्रवण कुमार आश्रम, 2. आस्तिक आश्रम, 3. ऋषि च्यवन आश्रम, 4. मेधा ऋषि आश्रम, 5. श्री बन्धू बाबा आश्रम, 6. महर्षि बामदेव आश्रम

आस्था और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का अद्भुत संगम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप यह परियोजना आस्था और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अद्भुत उदाहरण बनकर उभरी है। जिन आश्रमों में पहले बुनियादी

सुविधाओं की भारी कमी देखी जाती थी, वहां अब पर्यटन विभाग ने कायाकल्प कर दिया है।

आश्रमों में विकसित की गईं मुख्य जन-सुविधाएं:

विश्राम गृह और शौचालयः यात्रियों के आरामदायक ठहराव के लिए आधुनिक विश्राम गृह और स्वच्छता के उच्च मानकों पर आधारित स्वच्छ शौचालयों का निर्माण किया गया है।

शुद्ध पेयजल और खान-पानः शुद्ध पेयजल प्रणालियों के साथ-साथ स्थानीय और सात्विक भोजन सुनिश्चित करने के लिए विशेष खान-पान की दुकानें तैयार की गई हैं।

सौंदर्यीकरण और स्थापत्यः सभी ६ पावन स्थलों पर भव्य प्रवेश द्वार, मजबूत और कलात्मक स्तंभ तथा आकर्षक साइनेज लगाए गए हैं।

सीटिंग इंटरप्रिटेशन वॉलः परिसर में बैठने की आरामदायक व्यवस्था के साथ-साथ विशेष इंटरप्रिटेशन वॉल बनाई गई है। इसके माध्यम से यहां आने वाले भक्तों को इन पावन स्थलों के पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की प्रामाणिक जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

'परियोजना को निर्धारित मानकों के अनुसार सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। नवनिर्मित सभी संरचनाएं पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल और पर्यटक-अनुकूल हैं, जो श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम और यादगार बनाएंगी।' झ मनोज शर्मा, परियोजना प्रबंधक, यूपीपीसीएल (अयोध्या)

धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई गति, स्थानीय अर्थव्यवस्था होगी मजबूत

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या धाम पहले से ही भव्य राम मंदिर, हनुमान गढ़ी, नया घाट और अन्य पावन स्थलों के कारण वैश्विक स्तर पर श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। अब चौरासी कोसी यात्रा पथ का यह सुनियोजित विकास इन आश्रमों को और अधिक आकर्षक बनाएगा, जिससे लंबी परिक्रमा के दौरान थके हुए यात्रियों को संबल मिलेगा।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर विकास न केवल श्रद्धालुओं के लिए वरदान साबित होगा, बल्कि अयोध्या की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेगा। आश्रमों के आसपास पर्यटन बढ़ने से स्थानीय दुकानदारों, गाइडों, हस्तशिल्पियों और आम नागरिकों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। रामलला की नगरी में आ रहे भक्तों का भी कहना है कि अब आस्था के साथ-साथ बेहतरीन नागरिक सुविधाएं भी जुड़ गई हैं, जिससे अयोध्या धाम की यात्रा का उत्साह और अधिक बढ़ गया है।

अब लखनऊ में होगी आठवें वेतन आयोग की बड़ी बैठक, जानें मीटिंग का पूरा शेड्यूल और मकसद

लखनऊ में 22 और 23 जून 2026 को होने वाली मीटिंग की जानकारी आयोग की वेबसाइट पर पहले ही दी जा चुकी है. इससे पहले दिल्ली सहित कई अन्य जगहों में मीटिंग हो चुकी है.

(जीएनएस)।

वक्त जैसे-जैसे बीतता जा रहा है, वैसे-वैसे आठवें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की बेसब्री भी बढ़ती जा रही है. इस बीच, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की एक बड़ी मीटिंग लखनऊ में होने जा रही है. 8वें वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर पहले दी

गई जानकारी के मुताबिक, 22 और 23 जून, 2026 को लखनऊ में अगली बैठक होगी. इसका मकसद उत्तर प्रदेश क्षेत्र में केंद्रीय कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और विभिन्न कर्मचारी यूनियनों से मिलकर उनसे सैलरी रिवीजन, अलाउंस और पेंशन स्ट्रक्चर में सुधारों पर सुझाव लेना है.

बैठक का क्या है एजेंडा?

15 जून, 2026 को मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम समय-सीमा समाप्त होने के बाद यह पहली बड़ी बैठक होगी. आयोग की अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई की अगुवाई में पैनल उत्तर प्रदेश और इसके आसपास के क्षेत्रों में रेलवे, पोस्टल, डिफेंस और इनकम टैक्स विभागों के कर्मचारी यूनियनों से आमने-सामने बात करेगा. इसमें संगठनों द्वारा जमा कराए गए 'यूनिक मेमो आईडी' के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी.

इससे पहले हैदराबाद, दिल्ली, श्रीनगर में भी बैठके हो चुकी हैं. आयोग की इन बैठकों का मकसद हर क्षेत्र के कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति और जमीनी स्तर पर उनकी उम्मीदों का पता लगाना और अपनी रिपोर्ट में उनका जिक्र करना है. लखनऊ के बाद जुलाई में बंगाल, ओडिशा में भी बैठकें होने की उम्मीद है. इन सभी जगहों में कर्मचारी यूनियनों के साथ हुई बैठकों और उनसे मिले सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसकी सिफारिशें अप्रैल, 2027 तक आ सकती है.

कर्मचारियों की क्या हैं मांगें?

कर्मचारी आठवें वेतन आयोग के तहत 3-4 के बीच फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं. अगर इसे मंजूरी दे दी जाती है, तो न्यूनतम बेसिक सैलरी 18000 से बढ़कर 50000 के पार पहुंच सकती है.

पेंशन एसोसिएशन द्वारा न्यूनतम पेंशन को अंतिम सैलरी का 67% करने और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त अलाउंसेज को बढ़ाने का प्रस्ताव है.

प्रमोशन और इंक्रीमेंट के नियमों में सुधार की भी मांग है. मौजूदा समय में 30 साल की नौकरी में सिर्फ 3 बार मिलने वाले वित्तीय अपग्रेडेशन को हर 6 साल में करने की मांग उठाई गई है. साथ में 5% इंक्रीमेंट की भी डिमांड है.

किसके हाथ कमीशन की कमान?

आठवें वेतन आयोग की अगुवाई सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं. इसके अन्य सदस्यों में क्क्ट बैंगलोर के प्रोफेसर पुलक घोष और पंकज जैन (रिटायर्ड क्अर) शामिल हैं, जो मेंबर-सेक्रेटरी के तौर पर काम कर रहे हैं.

इस पैनल को केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से जुड़े सैलरी स्ट्रक्चर, भत्ते, पेंशन, सर्विस की शर्तों और अन्य संबंधित पहलुओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. पे कमीशन के सबसे अहम पहलुओं में से एक 'फिटमेंट फैक्टर' होता है, जिससे बेसिक पे में बदलाव होता है. अगर पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो छठे पे कमीशन ने 1.86 के फिटमेंट फैक्टर, सातवें पे कमीशन ने 2.57 फिटमेंट फैक्टर की सिफारिश की थी. अब सभी की निगाहें आठवें वेतन आयोग के फिटमेंट फैक्टर पर टिकी हुई हैं.

लखनऊ, प्रयागराज समेत 25 जिलों में लू चलने का अलर्ट, एक हफ्ते तक बारिश के आसार नहीं

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी जारी है। मौसम विभाग ने एक हफ्ते तक बारिश नहीं होने की संभावना जताई है।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश में लू का कहर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अभी अगले एक हफ्ते तक गर्म हवाओं का दौर बना रहेगा। कम से कम एक हफ्ते तक बारिश की संभावना नहीं है। दो दिन में एक से दो डिग्री तक तापमान में बढ़ोत्तरी हो सकती है। कहीं-कहीं हल्की बारिश के आसार भी हैं। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी समेत 25 जिलों में लू चलने का यलो अलर्ट जारी हुआ है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार से लखनऊ में भी लू का असर दिखाई देगा। लखनऊ में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री और न्यूनतम 29.8 डिग्री दर्ज किया गया।

बांदा रहा सबसे गर्म जिला

शुक्रवार को बांदा 43.2 डिग्री के साथ पूरे यूपी में सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, पूर्वी यूपी के जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक ऊपर चल रहा है। राहत की बात यह है कि आगामी 20 जून तक तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। रात के तापमान में सामान्य से 1 से 3 डिग्री तक बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। इसकी वजह से रात के समय उमस और गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है।

23 जून तक आ सकता है मॉनसून

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि यानी 23 जून तक यूपी में मॉनसून का इंतजार खत्म हो सकता है। हाल के दिनों में मॉनसून की गति धीमी हो गई है क्योंकि अरब सागर से नमी का प्रवाह कमजोर पड़ गया है। उत्तर पश्चिम भारत में गर्म और शुष्क हवाओं का प्रभाव बना हुआ है। आने वाला पश्चिमी विक्षोभ शुष्क हवाओं के असर को कम करेगा। इससे पूरे उत्तरी क्षेत्र में नमी में सुधार होगा जिससे यह पैटर्न बदल सकता है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

सत्ता और विपक्ष दोनों को एक साथ झटका, भारतीय राजनीति में दिखा संख्या बल जितना महत्वपूर्ण

भारतीय राजनीति में क्रॉस वोटिंग कोई नई घटना नहीं है, लेकिन जब यह सत्ता और विपक्ष दोनों को एक साथ झटका दे, तो मामला सामान्य नहीं रह जाता। जून 2026 के चुनावी घटनाक्रम ने यही दिखाया। झारखंड के राज्यसभा चुनाव और कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में हुई कथित क्रॉस वोटिंग ने राजनीतिक दलों को यह याद दिला दिया कि संख्या बल जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण है अपने विधायकों की निष्ठा। झारखंड में तस्वीर सबसे ज्यादा चौंकाने वाली रही। विधानसभा के गणित के आधार पर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार प्रणव झा को मजबूत माना जा रहा था। लेकिन नतीजे आने पर एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने जीत दर्ज कर ली। इसके बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। सवाल उठने लगा कि आखिर वोट कहां गए और किसने पाला बदल लिया। राजनीति में हार अक्सर विरोधी दल की ताकत से कम और अपने घर की कमजोरी से ज्यादा होती है। झारखंड में भी यही चर्चा छिड़ गई।

कांग्रेस ने सहयोगी दलों की ओर इशारा किया, जबकि राजद नेताओं ने पलटवार करते हुए दावा किया कि उनके सभी विधायकों ने गठबंधन उम्मीदवार को ही वोट दिया। चुनाव समाप्त होते-होते यह लड़ाई विपक्ष बनाम भाजपा से ज्यादा विपक्ष बनाम विपक्ष में बदल गई।

दिलचस्प बात यह है कि क्रॉस वोटिंग का झटका केवल विपक्ष को नहीं लगा। दक्षिण भारत के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य कर्नाटक में भी ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। वहां विधान परिषद की सात सीटों के चुनाव में कांग्रेस ने पांच सीटें जीत लीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सफलता केवल उसके संख्याबल का परिणाम नहीं थी, बल्कि विपक्षी खेमे में हुई कथित क्रॉस वोटिंग ने भी इसमें भूमिका निभाई।

कर्नाटक में परिणाम आने के बाद भाजपा नेतृत्व की नाराजगी खुलकर सामने आई। रिपोर्टों के अनुसार पाटा के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य इकाई के प्रमुख नेताओं को दिल्ली तलब किया और यह जानने की कोशिश की कि आखिर अनुशासन के लिए जानी जाने वाली पाटा में ऐसी स्थिति क्यों बनी।

यह घटनाक्रम बताता है कि राजनीतिक दल चाहे कितना भी मजबूत क्यों न दिखे, आंतरिक असंतोष चुनावी नतीजों को पलट सकता है।

क्रॉस वोटिंग का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही है कि विधानसभा में मौजूद संख्याएं हमेशा अंतिम सत्य नहीं होतीं। लोकतंत्र में मतदान की गोपनीयता और व्यक्तिगत राजनीतिक समीकरण कई बार पाटा लाइन से अलग परिणाम पैदा कर देते हैं। राज्यसभा चुनावों में तो स्थिति और भी रोचक होती है क्योंकि इन चुनावों में विधायकों की भूमिका निर्णायक होती है और दलों को लगातार अपने विधायकों को एकजुट रखना पड़ता है। झारखंड और कर्नाटक की घटनाओं ने यह भी साबित किया कि राजनीति केवल गठबंधन बनाने का नाम नहीं है, बल्कि गठबंधन को संभालकर रखने की कला भी है। यदि सहयोगी दलों के बीच भरोसा कमजोर हो जाए या विधायकों में असंतोष पनपने लगे, तो सबसे मजबूत दिखने वाला चुनावी गणित भी धराशायी हो सकता है। इन दोनों राज्यों के नतीजों ने आने वाले महीनों के लिए एक बड़ा संकेत दिया है। चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, केवल संख्या गिनना पर्याप्त नहीं है। असली चुनौती उन संख्याओं को मतदान के दिन तक साथ बनाए रखने की है। झारखंड में विपक्ष को यह सबक मिला, तो कर्नाटक में भाजपा को आत्ममंथन करना पड़ा। लोकतंत्र की यही खूबसूरती है- कभी-कभी एक वोट केवल उम्मीदवार नहीं, पूरी राजनीतिक कहानी बदल देता है। फिलहाल इतना तय है कि 2026 की यह क्रॉस वोटिंग केवल चुनावी घटना नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी भी है। सत्ता के गलियारों में अब एक नया सवाल गूंज रहा है-विधायक किसके साथ खड़े हैं, यह मंच पर नहीं बल्कि मतपेटी में पता चलता है।

'ईरान को अब फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी', अमेरिका-ईरान समझौते के बाद खामेनेई पर क्यों भड़के ट्रंप

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में संपन्न हुए एक महत्वपूर्ण समझौते के बावजूद, दोनों देशों के बीच का कूटनीतिक तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस समझौते पर साइन होने के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के शीर्ष नेता मोजतबा खामेनेई पर भड़क उठे हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट साझा कर ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है और अपने राजनीतिक विरोधियों की सभी आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। दोनों देशों के बीच हुई डील अब इस बात पर केंद्रित हो गया है कि दोनों में से कौन सा देश इस कूटनीतिक बातचीत के लिए अधिक लाचार और बेताब था।

ट्रंप का दावा- सैन्य और आर्थिक रूप से ईरान हुआ तबाह

ट्रंप ने ईरान ने दावा किया कि इस संघर्ष ने अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य शक्ति को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। ट्रंप के अनुसार, अब ईरान के पास व्यावहारिक रूप से न तो कोई एंटी-एयरक्राफ्ट इक्विपमेंट, और एयरफोर्स बची है और ना ही कोई नेवी की सेना। सैन्य मोर्चे पर ईरान अब एक असहाय राष्ट्र की तरह खड़ा है।

'समझौते के लिए मैं नहीं ईरान बेताब था'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे दावा किया कि ईरान के अत्यंत महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने, रडार सिस्टम और एंटी-एयरक्राफ्ट उपकरण अब पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि ईरान अपनी सीमाओं की रक्षा करने की स्थिति में भी नहीं बचा है और उसकी यह लाचारी ही उसे अमेरिकी शर्तों पर समझौते के लिए बातचीत की मेज पर खींच लाई है।

ट्रंप बोले- ईरान को एक फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी

इसके साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी कि इस समझौते के तहत अमेरिका की ओर से ईरान को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता या आर्थिक राहत नहीं दी जाएगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ईरान को अमेरिका से एक फूटी कौड़ी या दस सेंट भी हासिल नहीं होने वाले हैं, जिससे ईरान को वित्तीय रूप से कोई मजबूती मिल सके।

अमेरिका ने ईरान की बहाली के लिए समझौते में किया था ये वादा

गौरतलब है कि समझौते के तहत ईरान के आर्थिक विकास और

पुनर्निर्माण के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर के निवेश का प्लानिंग। अमेरिका ये धनराशि सीधे तौर पर नहीं देगा। इसके बजाय वह अन्य देशों, कंपनियों और निवेशकों को ईरान में निवेश और परियोजनाओं के लिए आवश्यक मंजूरी तथा समर्थन उपलब्ध कराएगा। इस योजना का उद्देश्य ईरान की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और पुनर्निर्माण कार्यों को गति देना है।

मोजतबा खामेनेई का पलटवार: डील के लिए ट्रंप थे बेताब

दूसरी तरफ, ईरान के सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिकी दावों को खारिज करते हुए बिल्कुल विपरीत रुख अपनाया है। खामेनेई ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति इस समझौते को हासिल करने के लिए स्वयं बेहद बेचैन थे और उन्होंने इसके लिए कई तरह की कूटनीतिक चालबाजियों और पैंतरेबाजी का इस्तेमाल किया था।

आखिर क्यों खामनेई पर भड़के ट्रंप?

दरअसल, समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद देश की जनता को संबोधित करते हुए मोजतबा खामेनेई ने खुलासा किया कि वैचारिक और कूटनीतिक तौर पर वह शुरू में इस संधि के सख्त खिलाफ थे। उनके मन में इस समझौते को लेकर कई गंभीर आशंकाएं थीं और वे अमेरिका की नीयत पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं कर पा रहे थे।

हालांकि, ईरान के वर्तमान राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लंबी बातचीत के बाद उन्होंने इसे अंतिम मंजूरी दी। ईरानी सुरक्षा परिषद ने सर्वोच्च नेता को आश्वस्त किया था कि इस नए समझौते से देश की संप्रभुता और मिडिल ईस्ट में ईरान के रणनीतिक हितों पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ईरानी नेतृत्व ने इस बात पर सबसे अधिक जोर दिया है कि देश के साथ-साथ इस क्षेत्र में सक्रिय ईरान समर्थित 'रेजिस्टेंस फ्रंट' के हितों से किसी भी कीमत पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस सामूहिक आश्वासन के प्राप्त होने के बाद ही मोजतबा खामेनेई ने समझौते के प्रारूप पर आगे बढ़ने की अनुमति प्रदान की थी।

क्या फिर छिड़ेगी जंग?

विशेषज्ञों के अनुसार कागजों पर समझौते के बाद भी दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों का यह आक्रामक रवैया वास्तविक शांति में बड़ी बाधा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जहां इसे ईरान का पूर्ण आत्मसमर्पण करार दे रहे हैं, वहीं तेहरान इस समझौते को अमेरिकी कूटनीति पर अपनी एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देख रहा है।

इस अविश्वास के चलते अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंताएं भी बढ़ गई हैं, क्योंकि युद्ध विराम या समझौते के बाद की स्थिति अक्सर नाजुक होती है। आने वाले दिनों में यह देखना बेहद अहम होगा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच जमीनी स्तर पर शांति स्थापित कर पाता है या नहीं। यदि अमेरिका की ओर से कड़े प्रतिबंधों में ढील नहीं दी गई और ईरान का परमाणु कार्यक्रम या क्षेत्रीय दखल जारी रहा, तो यह समझौता भी केवल एक अस्थाई विराम बनकर रह जाएगा।

कतर ने ट्रंप को क्यों गिफ्ट किया 3700 करोड़ रुपये का प्लेन? अमेरिका में छिड़ी कानूनी जंग

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए अस्थायी एयर फोर्स वन का उद्घाटन कर दिया है। यह लग्जरी बोइंग 747-800 विमान कतर की तरफ से अमेरिका को गिफ्ट किया गया है, जिसकी कीमत करीब 400 मिलियन डॉलर यानी लगभग 37 अरब रुपये बताई जा रही है। विमान को राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए मॉडिफाई किया गया है और इसे VC-25B नाम दिया गया है।

इस गिफ्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक और कानूनी बहस भी छिड़ गई है। समर्थक इसे अमेरिका के लिए फायदा बता रहे हैं, जबकि आलोचक विदेशी सरकार से इतने महंगे गिफ्ट पर सवाल उठा रहे हैं।

कतर और अमेरिका लंबे समय से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। मध्य पूर्व में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा कतर में मौजूद है और दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और सुरक्षा सहयोग लगातार बढ़ा है। ऐसे में कतर की तरफ से दिया गया यह विमान दोनों देशों की मजबूत साझेदारी का प्रतीक माना जा रहा है। ट्रंप ने भी कतर के अमीर की तारीफ करते हुए उनका धन्यवाद किया। जानकारों का मानना है कि यह गिफ्ट अमेरिका-कतर रिश्तों को और मजबूत बनाने की कोशिश का हिस्सा है।

आखिर क्या खास है नए VC-25B एयर फोर्स वन में?

VC-25B को दुनिया के सबसे शानदार और आधुनिक विमानों में गिना जा रहा है। इसमें लग्जरी लेदर सीटें, प्रीमियम कारपेट, वुडन पैनलिंग और गोल्डन इंटीरियर दिया गया है। विमान में हाई-लेवल सिक्योरिटी सिस्टम, एडवांस कम्युनिकेशन नेटवर्क और राष्ट्रपति के लिए विशेष सुविधाएं मौजूद हैं। ट्रंप का दावा है कि यह विमान मौजूदा एयर फोर्स वन की तुलना में ज्यादा तेज उड़ सकता है और लंबी दूरी तय करने में सक्षम है। इसकी डिजाइन भी इसे बेहद खास बनाती है।

गिफ्ट पर अमेरिका में क्यों मचा है विवाद?

विमान मिलने के बाद अमेरिका में बड़ा राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। आलोचकों का कहना है कि अमेरिकी नियमों के तहत किसी अधिकारी को महंगे गिफ्ट स्वीकार करने पर कई तरह की सीमाएं होती हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि विदेशी सरकार से इतना बड़ा गिफ्ट लेना नैतिक सवाल खड़े करता है। कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने भी चिंता जताई है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि इतना बड़ा ऑफर ठुकराना समझदारी नहीं होती और सरकार ने सभी नियमों का पालन किया है।

ये भी पढ़ें: ळ१४ेस्र टी'ङ्क्ल्ल ङ्र्स्र४३ी: 'हम किसी से भीख नहीं मांगते', ट्रंप पर क्यों भड़कीं जॉर्जिया मेलोनी, अमेरिका दौरा रद्द

एयर फोर्स वन बनाने में कितना खर्च आएगा?

हालांकि विमान कतर ने गिफ्ट किया है, लेकिन इसे राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार करने में भारी खर्च होगा। सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की गहन जांच की और उसमें विशेष सैन्य तकनीक लगाई है। सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम, मिसाइल डिफेंस क्षमता और कई गोपनीय उपकरण जोड़े गए हैं। रक्षा विभाग के अनुसार इस प्रक्रिया पर सैकड़ों मिलियन डॉलर खर्च होंगे। कुछ रिपोर्टों में यह लागत 1 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान भी जताया गया है।

पुराने एयर फोर्स वन की जगह क्यों ले रहा है नया विमान?

अमेरिकी राष्ट्रपति जिस श्उ-25अ विमान का इस्तेमाल कर रहे थे, वह 1990 से सेवा में था। पिछले कुछ वर्षों में उसकी उम्र और तकनीकी चुनौतियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में एक तकनीकी समस्या के कारण विमान को उड़ान के दौरान वापस लौटना पड़ा था। बोइंग द्वारा तैयार किए जा रहे नए आधिकारिक एयर फोर्स वन विमान 2027 और 2028 में मिलने की उम्मीद है। तब तक कतर का यह श्उ-25इ अस्थायी एयर फोर्स वन के रूप में राष्ट्रपति की सेवा करेगा।

राजस्थान रॉयल्स में जा रहे हैं हार्दिक पांड्या? तूफानी युवा खिलाड़ी को मुंबई इंडियंस में भेजने की संभावना

(जीएनएस)।

क्रिकेट के सबसे बड़े महाकुंभ यानी इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन से पहले ट्रांसफर मार्केट से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स और अंदरूनी सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच दो सबसे बड़े भारतीय स्टार खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर बातचीत चल रही है।

इस संभावित मेगा ट्रेड डील के तहत मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या आईपीएल 2027 से पहले राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल हो सकते हैं। इसके बदले में राजस्थान रॉयल्स के सबसे विस्फोटक और धाकड़ युवा ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पाला बदलकर आगामी सीजन में मुंबई इंडियंस की पलटन का हिस्सा बन सकते हैं।

मुंबई इंडियंस से क्यों अलग हो सकते हैं हार्दिक पांड्या?

हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस का साथ छोड़ने की चर्चाएं पिछले सीजन के दौरान ही काफी तेज हो गई

थीं। उनकी कप्तानी में मुंबई की टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में पूरी तरह नाकाम रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक हार्दिक को टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों और ड्रेसिंग रूम से मन मुताबिक सहयोग नहीं मिल पा रहा था।

ऐसे में नए माहौल और बेहतर मौकों की तलाश में स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्याने राजस्थान की फ्रेंचाइजी का रुख करने का मन बनाया है। राजस्थान की टीम को भी मध्यक्रम में एक अनुभवी भारतीय फिनिशर और छठे गेंदबाजी विकल्प की सख्त जरूरत है, जिसके लिए हार्दिक पांड्या उनकी योजनाओं में बिल्कुल सटीक बैठते हैं।

यशस्वी जायसवाल का राजस्थान छोड़ने का कारण

दूसरी तरफ यशस्वी जायसवाल जैसी रन-मशीन का राजस्थान रॉयल्स से अलग होना हर किसी को हैरान कर रहा है। दरअसल राजस्थान रॉयल्स की टीम मैनेजमेंट ने रियान पराग को कप्तान बनाया है है। कप्तानी की रेस में पिछड़ने के बाद यशस्वी का महत्व टीम में थोड़ा कम आंका जाने लगा है। हालांकि यशस्वी जायसवाल के पास इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव पराग से काफी ज्यादा है।

इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स को वैभव सूर्यवंशी के रूप में एक और नया बेहद आक्रामक और विस्फोटक युवा ओपनर मिल चुका है। ऐसे में जायसवाल को एक ऐसी टीम की आवश्यकता है, जहां उनकी चर्चा होती रहे। राजस्थान में पूरी महफिल वैभव सूर्यवंशी ने ही लूट ली है।

वैभव सूर्यवंशी की तरह क्या इस खिलाड़ी को मिलेगी टीम इंडिया में एंट्री? 126 गेंदों में ठोका था तिहरा शतक

बिहार क्रिकेट पिछले कुछ समय से लगातार ऐसी युवा प्रतिभाएं सामने ला रहा है जो अपने दमदार प्रदर्शन से पूरे देश का ध्यान खींच रही हैं। हाल ही में 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। अब बिहार महिला क्रिकेट से एक और बेहद हैरान करने वाला और ऐतिहासिक रिकॉर्ड सामने आया है।

अंडर-19 क्रिकेट में बिहार की युवा महिला बल्लेबाज अक्षरा गुप्ता ने महज 126 गेंदों में 306 रनों की अविश्वसनीय तिहरी शतकीय पारी खेलकर भारतीय घरेलू क्रिकेट में तहलका मचा दिया है। अक्षरा गुप्ता की यह पारी न केवल उनके मजबूत हैंड-आई कोऑर्डिनेशन को बताती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि भारत के छोटे शहरों और राज्यों में महिला क्रिकेट का स्तर कितनी तेजी से ऊपर उठ रहा है।

16 गेंदों में फिफ्टी, 34 में जड़ दी सेंचुरी

यह मुकाबला 18 जून को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड स्टेडियम में 'बिहार क्रिकेट एसोसिएशन अंडर-19 वन-डे ट्रॉफी' के दौरान खेला गया। टीम-ए के लिए ओपनिंग करने उतरीं अक्षरा गुप्ता ने मैच की पहली गेंद से ही गेंदबाजों पर कड़ा प्रहार करना शुरू कर दिया। अक्षरा ने मात्र 16 गेंदों में अपना अर्धशतक (50 रन) पूरा किया। उन्होंने गेंदबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया और सिर्फ 34 गेंदों में अपना शतक ठोक दिया।

50 ओवरों में बनाए 450 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर

अपनी 306 रनों की मैराथन पारी के दौरान अक्षरा ने मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनकी इस पारी में कुल 55 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे, यानी 268 रन उन्होंने सिर्फ बाउंड्री से बनाए। मैदान पर अक्षरा गुप्ता के इस तूफान को दूसरे छोर से सलोनी कुमारी का मजबूत साथ मिला। सलोनी ने सूझबूझ से बल्लेबाजी करते हुए 57 रनों का योगदान दिया। इन दोनों की बेहतरीन साझेदारियों की बदौलत टीम-ए ने निर्धारित 50 ओवरों में 450 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया।

क्या भारतीय महिला टीम में मिलेगी जगह?

451 रनों के इस विशाल और मनोवैज्ञानिक रूप से दबाव वाले लक्ष्य का पीछा करने उतरी विरोधी टीम (टीम-बी) की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम-ए के गेंदबाजों के सटीक लाइन-लेंथ के आगे टीम-बी के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। पूरी टीम महज 21.3 ओवरों में 121 रनों पर सिमट गई। अक्षरा की टीम-ए ने यह मुकाबला 329 रनों के रिकॉर्ड अंतर से अपने नाम कर लिया। अब ऐसे में फैंस के मन में यह सवाल है कि क्या वैभव की तरह इस महिला खिलाड़ी को भी विमेंस भारतीय टीम में जगह मिलेगी?

वैभव सूर्यवंशी के लिए BCCI ने किए विशेष इंतजाम, श्रीलंका में बवाल के बाद भारतीय बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

वैभव सूर्यवंशी के लिए इउउक ने किए विशेष इंतजाम, श्रीलंका में बवाल के बाद भारतीय बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

भाई को देखकर शुरू किया था क्रिकेट खेलना

मैच के बाद अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बात करते हुए अक्षरा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अपने भाई को मैदान पर खेलते हुए देखकर ही क्रिकेट बैट थामने का फैसला किया था। वे इससे पहले भी अंडर-15 और अंडर-19 स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। इस पारी से पहले उनका सर्वोच्च स्कोर अंडर-15 में 75 रन और अंडर-19 में 60 रन था। 126 गेंदों में 306 रन की इस अविश्वसनीय पारी के बाद अक्षरा का नाम अब भारत के सबसे रोमांचक उभरते हुए महिला क्रिकेटरों की सूची में शामिल हो गया है।

5 जुलाई 2026 को 14 साल छोटी जीएफ से ऐसे शादी करेंगे आमिर खान, सामने आई वेडिंग की पूरी प्लानिंग

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। लंबे समय से उनकी तीसरी शादी को लेकर अटकलों का दौर चल रहा था लेकिन अब एक्टर ने खुद इस पर मुहर लगा दी है। आमिर खान ने स्वीकार किया है कि वह आगामी 5 जुलाई 2026 ही अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। खास बात ये है कि ये शादी किसी बड़े सेलिब्रेशन की बजाय बेहद सादगी और निजी माहौल में संपन्न होगी।

शाही नहीं, सादगी भरी होगी शादी

जहां बॉलीवुड सितारों की शादियां अक्सर भव्य समारोहों और शानदार आयोजनों के लिए सुर्खियां बटोरती हैं, वहीं आमिर खान ने इस मामले में बिल्कुल अलग रास्ता चुना है। एक्टर ने बताया कि उन्होंने और गौरी स्प्रैट ने अपनी शादी को बेहद सिंपल रखने का फैसला किया है।

रजिस्टर्ड मैरिज के रूप में होगी शादी

जानकारी के मुताबिक आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज के रूप में होगी। इस खास मौके पर सिर्फ परिवार के सदस्य और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही मौजूद रहेंगे। आमिर खान का कहना है कि वह इस नए सफर की शुरूआत बिना किसी दिखावे और शोर-शराबे के करना चाहते हैं।

निजी समारोह में शामिल होंगे चुनिंदा लोग

आमिर खान ने बातचीत के दौरान बताया कि शादी का आयोजन पूरी तरह निजी रखा जाएगा। इसमें सिर्फ वो लोग शामिल होंगे जो दोनों के जीवन में बेहद खास स्थान रखते हैं। एक्टर के अनुसार उनका और गौरी का मानना है कि रिश्तों की खूबसूरती भव्य आयोजनों से नहीं बल्कि अपनेपन और भावनाओं से बढ़ती है। यही वजह है कि दोनों ने एक छोटे लेकिन यादगार समारोह का फैसला किया है, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी ही उनके लिए सबसे बड़ा जश्न होगी।

पहले नहीं थी शादी की जल्दबाजी

आमिर खान ने ये भी स्वीकार किया कि शादी उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर नहीं थी। हालांकि समय के साथ दोनों के रिश्ते में विश्वास और समझदारी इतनी मजबूत हो गई कि अब उन्हें लगा कि अपने रिश्ते को नया नाम देने का समय आ गया है। एक्टर का कहना है कि वह और गौरी अब अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इसी सोच के साथ उन्होंने शादी का फैसला लिया है।

60वें जन्मदिन पर किया था रिश्ते का खुलासा

गौरी स्प्रैट और आमिर खान के रिश्ते की चर्चा लंबे समय से हो रही थी लेकिन एक्टर ने पहली बार अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर इस रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था। इसके बाद से दोनों लगातार चर्चा में बने हुए हैं। रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि के बाद फैंस भी दोनों की शादी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं और अब हर कोई इस खास दिन का इंतजार कर रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के बीच पसरा मातम! मैच के दौरान गोलकीपर से टक्कर के बाद फुटबॉलर की मौत, सदमे में फैंस

(जीएनएस)।

एक तरफ जहां पूरी दुनिया इस समय फीफा वर्ल्ड कप 2026 के जश्न और रोमांच में डूबी हुई है। वहीं दूसरी तरफ फुटबॉल के मैदान से एक बेहद दर्दनाक और स्तब्ध कर देने वाली खबर सामने आई है। अफ्रीकी देश घाना में आयोजित एक स्थानीय फुटबॉल मैच के दौरान विपक्षी टीम के गोलकीपर से हुई भयानक टक्कर के बाद एक खिलाड़ी की मौत हो गई है। इस दुखद हादसे के बाद से पूरे अंतरराष्ट्रीय खेल समुदाय में शोक की लहर है और सोशल मीडिया पर खेल सुरक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक खिलाड़ी की पहचान इमैनुएल (ऐंल्लथ्री') के रूप में हुई है। यह घटना तब घटी जब एक स्थानीय टूनामेंट के मैच के दौरान इमैनुएल अपनी टीम की तरफ से गेंद को लेकर विपक्षी गोलपोस्ट की ओर तेजी से बढ़े। इमैनुएल को रोकने के लिए सामने वाली टीम का गोलकीपर भी गोलपोस्ट छोड़कर बेहद आक्रामक तरीके से आगे की ओर दौड़ा।

ऋक्रऋ हङ्ग१ 'ि उ४स्र 1

सिर पर लगी गंभीर चोट

गेंद को हवा में रोकने और इंटरसेप्ट करने के प्रयास में गोलकीपर ने एक ऊंची छलांग लगाई। इस दौरान गोलकीपर का घुटना सीधे दौड़कर आ रहे इमैनुएल के सिर और चेहरे पर बेहद ताकत के साथ जा लगा। घुटने की सीधी और जोरदार टक्कर लगते ही इमैनुएल जमीन पर गिर पड़े और तुरंत अचेत हो गए। मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि उसके तुरंत बाद वहां अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल बन गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम गईं सांसें

हादसे के तुरंत बाद इमैनुएल को इलाज देने का प्रयास किया गया, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए वे उससे उबर नहीं सके और उनकी मृत्यु हो गई। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद खेल प्रेमियों ने गहरा दुख जताया है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक इमैनुएल की मौत के सटीक कारणों का विवरण देने वाली कोई अंतिम मेडिकल रिपोर्ट जारी नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घाना के फुटबॉल अधिकारियों ने इस संवेदनशील मामले को आगे की निष्पक्ष जांच के लिए संबंधित सुरक्षा और कानूनी अधिकारियों को सौंप दिया है। इस हादसे के सभी तथ्यों को स्थापित करने के लिए पूरी परिस्थितियों की गहन समीक्षा की जा रही है।

अयोध्या में आस्था के साथ सुविधा का संगम, 20.64 करोड़ से परिक्रमा मार्ग के 6 आश्रमों का हुआ कायाकल्प

(जीएनएस)।

अयोध्याः भगवान राम की नगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित छह प्रमुख आश्रमों का व्यापक विकास कार्य पूरा कर लिया गया है। पर्यटन विभाग की पहल पर 20.64 करोड़ रुपये की लागत से इन आश्रमों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे लाखों तीर्थयात्रियों को बेहतर ठहराव, स्वच्छता, पेयजल और खान-पान की सुविधाएं मिल सकेंगी।

इस परियोजना के तहत श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बन्धू बाबा आश्रम और महर्षि बामदेव आश्रम में बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचे का विकास किया गया है। यहां विश्राम गृह, आधुनिक शौचालय, पेयजल व्यवस्था, खान-पान केंद्र, आकर्षक प्रवेश द्वार, साइनेज, स्तंभ और सीटिंग इंटरप्रिटेशन वॉल का निर्माण कराया गया है।

मुख्यमंत्री योगी के विजन को मिला आकार

यह परियोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस विजन को साकार करती है, जिसके तहत अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कार्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल)

द्वारा 30 मई 2023 से शुरू किए गए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

यूपीपीसीएल अयोध्या के परियोजना प्रबंधक मनोज शर्मा के अनुसार, सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण किए गए हैं और अब यह सुविधाएं श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध हैं।

यात्रियों को मिलेगा आरामदायक ठहराव

चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग पर यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को अब लंबी यात्रा के दौरान विश्राम, स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल और सात्विक भोजन जैसी सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। इंटरप्रिटेशन वॉल के माध्यम से यात्रियों को इन आश्रमों के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी प्राप्त होगी।

पर्यटन विभाग का मानना है कि यह परियोजना धार्मिक पर्यटन को नई गति देगी और श्रद्धालुओं के यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाएगी।

आधुनिक सुविधाओं से बदला आश्रमों का स्वरूप

विकसित किए गए सभी आश्रमों में पर्यावरण अनुकूल और पर्यटक-अनुकूल संरचनाएं तैयार की गई हैं। सुंदर प्रवेश द्वार, मजबूत निर्माण, आकर्षक साइनेज और आरामदायक बैठने की व्यवस्था यात्रियों के अनुभव को और सुखद बनाएगी।

खान-पान केंद्रों में स्थानीय और सात्विक भोजन की व्यवस्था की गई है, जबकि पेयजल और शौचालय सुविधाओं को स्वच्छता के उच्च मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। महर्षि बामदेव आश्रम और श्रवण कुमार आश्रम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का स्वरूप अब पूरी तरह बदल चुका है।

स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा लाभ

विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से न केवल श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। दुकानदारों, गाइडों और अन्य स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

जांच के लिए राज्य मेडिको सेल लखनऊ भेजी गईं हड्डियां

(जीएनएस)।

भावलखेड़ा। आरसी मिशन इलाके के ताहवरगंज में चार वर्षीय सौतेली बेटी की पीटकर हत्या किए जाने में मौके से बरामद हड्डियों की स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बरेली की फोरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट से भी स्पष्ट नहीं हो सका कि हड्डियां आखिर किसकी हैं। अब जांच के लिए हड्डियों को राज्य मेडिको लीगल सेल लखनऊ भेजा गया है।

तिलहर क्षेत्र के गांव गोबरसंडा निवासी रामस्वरूप की बेटी दिव्यांशी ने आरसी मिशन थाने में गत तीन जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि चार माह पूर्व पति से तलाक होने पर एक मंदिर में कांट क्षेत्र के गांव मानपुर निवासी अखिलेश से शादी कर ली। इसके बाद वह उसके साथ मोहल्ला ताहवरगंज में आकर किराये पर रहने लगी।

वहां अखिलेश पहले पति से हुई बेटी प्रिया को बेरहमी से पीटता था। आरोप है कि चार मई को सुबह अखिलेश ने दिव्यांशी को नशीला पदार्थ पिला दिया और पुत्री प्रिया की पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद वह कार से दिव्यांशी और प्रिया के शव को अपने गांव मानपुर ले गया। वहां अखिलेश ने खेत में प्रिया का शव गाड़ दिया और दिव्यांशी को कायमगंज (फरुर्खाबाद) अपनी बहन रजनी के घर छोड़ आया।

दिव्यांशी का आरोप है कि बेटी के शव को दफनाते समय ससुर सुरेंद्र और सास तारा भी मौजूद थे। पुलिस ने दिव्यांशी के पति अखिलेश, सास तारा, ससुर सुरेंद्र, जेठ मुन्ना, जेठानी रीता, देवर सुमित व अमित, ननद रजनी और नंदोई अनुज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

आरसी मिशन और कांट पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी अखिलेश की निशानदेही पर गत चार और पांच जून को खेत की खोदाई कराकर मृत बालिका के कपड़े और हड्डियां बरामद की थीं। हड्डियों को पहले पोस्टमार्टम के लिए और बाद में एफएसएल बरेली भेजा गया। दोनों ही जगह हड्डियों की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

सीओ सिटी देवव्रत वाजपेयी ने बताया कि अब हड्डियों को जांच के लिए विवेचना कर रहे प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता के जरिये राज्य मेडिको लीगल सेल लखनऊ भेजा गया है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

दिल्ली वालों सावधान! 21 जून को कई इलाकों में लंबा पावर कट, पहले से कर लें तैयारी

(जीएनएस)।

दिल्ली के कई इलाकों में 21 जून 2026 को बिजली आपूर्ति प्रभावित रहने वाली है। बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (इफ्ढछ) की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, इस दिन शहर के कई डिवीजनों में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मेंटेनेंस शटडाउन लिया जाएगा।

ऐसे में मुंडका, नांगलोई, द्वारका, टैगोर गार्डन और अलकनंदा क्षेत्रों के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले नागरिकों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ सकता है। इस मेंटेनेंस शटडाउन के दौरान नेटवर्क को अपग्रेड करने, पुराने उपकरणों को बदलने और नए सर्किट बिछाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।

बिजली विभाग का लक्ष्य उपभोक्ताओं को आने वाले समय में निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति देना है। विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग समय पर कटौती का समय तय किया है, ताकि उपभोक्ताओं को न्यूनतम असुविधा हो।

बिजली कटौती का शेड्यूल और प्रभावित क्षेत्र

डिवीजन समय (घंटे)
प्रभावित क्षेत्र कार्य का कारण

मुंडका सुबह 08:00 से 10:00 सविता विहार मुंडका नया एलटीएबी सर्किट बिछाना

मुंडका सुबह 09:06 से 11:06 मुंडका एक्सटेंशन एलटी एसीबी रिप्लेसमेंट

द्वारका सुबह 10:00 से दोपहर 12:00 सुख राम पार्क मटियाला नया एलटीएबी सर्किट बिछाना

टैगोर गार्डन सुबह 11:00 से दोपहर 01:00 पॉकेट ए श्याम नगर, विष्णु गार्डन नया एलटीएबी सर्किट बिछाना

टैगोर गार्डन सुबह 11:00 से दोपहर 01:00 ब्लॉक सी महावीर नगर, न्यू तिलक नगर नया एलटीएबी सर्किट बिछाना

मुंडका सुबह 11:00 से दोपहर 01:00 म ा ु ं ड क ा इंडस्ट्रियल एरिया 11केवी फीडर मेंटेनेंस

अलकनंदा सुबह 11:00 से दोपहर 03:00 सब-स्टेशन नंबर 1, एफ-ब्लॉक ओखला फेज-1 आरएमयू डिफेक्ट सुधार कार्य

नांगलोई सुबह 11:06 से दोपहर 02:06 पॉकेट ए नरेश पार्क नांगलोई ट्रांसफार्मर नेटवर्क अपग्रेडेशन

मुंडका दोपहर 01:00 से दोपहर 03:00 म ा ु ं ड क ा इंडस्ट्रियलिया ट्रांसफार्मर सिविल वर्क

क्यों हो रहा है पॉवर कट?

इस नियोजित शटडाउन के जरिए बिजली वितरण के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मुंडका और टैगोर गार्डन जैसे इलाकों में पुराने एलटी केबलों की जगह नए एलटीएबी सर्किट बिछाए जा रहे हैं, जिससे लाइन लॉस और बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की समस्या दूर होगी।

ओखला फेज-1 और नांगलोई में ट्रांसफार्मर नेटवर्क को अपग्रेड तथा आरएमयू के परिचालन तंत्र को ठीक किया जाएगा, ताकि आने वाले समय में बिजली लोड को कुशलतापूर्वक संभाला जा सके और उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज मिल सके।

पॉवर कट होने पर क्या करें?

बिजली कटौती के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के लिए निवासी और व्यावसायिक संस्थान निम्नलिखित तैयारियां पहले से कर सकते हैं:

घरेलू उपभोक्ता सुबह के समय पानी भरने की प्रक्रिया को आवश्यक रूप से सबसे पहले निपटा लें, क्योंकि मोटर चलाने के लिए शटडाउन की अवधि में बिजली नहीं मिलेगी। इसके साथ ही मोबाइल, लैपटॉप, पावर बैंक और जरूरी आपातकालीन लाइटों को पहले से चार्ज करके रखें ताकि संचार और रोशनी की समस्या न हो।

मुंडका और ओखला फेज-1 जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के छोटे व बड़े उद्योगों को सलाह दी गई है कि वे शटडाउन के निर्धारित घंटों को ध्यान में रखते हुए अपना उत्पादन चक्र पहले से तय कर लें। औद्योगिक इकाइयों को जनरेटर और पावर बैकअप की उचित व्यवस्था तैयार रखने की सलाह दी गई है ताकि उनका कार्य प्रभावित न हो।

निवासियों के लिए हेल्पलाइन नंबर

काम पूरा होने के बाद सभी प्रभावित इलाकों में बिजली की सप्लाई बिना किसी अतिरिक्त देरी के बहाल कर दी जाएगी। शटडाउन से जुड़ी किसी भी पूछताछ, शिकायत या बिजली आपूर्ति बहाल होने में देरी की स्थिति में उपभोक्ता बीएसईएस के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 19123 या स्थानीय बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (इफ्ढछ) के कस्टमर केयर नंबर 011-39999707 पर संपर्क कर मदद ले सकते हैं।

अलीगढ़ में 22 जून को सीएम योगी आदित्यनाथ की विशाल जनसभा, नुमाइश ग्राउंड में तैयारियां तेज

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ 22 जून को अलीगढ़ के नुमाइश ग्राउंड में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे. प्रशासन तैयारियों में जुटा है और जिले को बड़ी सौगात मिल सकती है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी 22 जून को अलीगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं. मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर ताला नगरी अलीगढ़ में प्रशासनिक और राजनीतिक सरगर्मियां बेहद तेज हो गई हैं. शहर के ऐतिहासिक नुमाइश ग्राउंड में मुख्यमंत्री की एक विशाल जनसभा आयोजित की जा रही है, जिसे भव्य रूप देने के लिए प्रशासनिक अमला दिन-रात तैयारियों में जुटा हुआ है.

मुख्यमंत्री की जनसभा के मद्देनजर नुमाइश ग्राउंड में भव्य मंच का निर्माण, वाटरप्रूफ पंडाल, सुरक्षा घेरा, बैरिकेडिंग और पार्किंग व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है. जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के आला अधिकारी लगातार कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं. वीआईपी (VIP) मूवमेंट और जनसभा में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के चाक-

चौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं.

विकास कार्यों की होगी समीक्षा, पदाधिकारियों संग बैठक

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान अलीगढ़ मंडल स्तर के पदाधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम जनता को संबोधित करेंगे. इसके साथ ही, वे जिले की कानून-व्यवस्था और विभिन्न सरकारी योजनाओं के विकास कार्यों की जमीनी हकीकत की समीक्षा भी कर सकते हैं. मुख्यमंत्री अधिकारियों से जनहित से जुड़े मुद्दों और प्रगति रिपोर्ट पर सीधी जानकारी लेंगे.

अलीगढ़ को बड़ी सौगात की उम्मीद

सीएम योगी के इस दौरे को लेकर राजनीतिक हलचल भी बढ़ गई है. भारतीय जनता पार्टी (BJP) के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनसभा में अधिक से अधिक भीड़ जुटाने के लिए लगातार बैठकें कर रणनीति बना रहे हैं. अलीगढ़ की जनता और व्यापारियों की नजरें भी मुख्यमंत्री के संबोधन पर टिकी हुई हैं. माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री इस मंच से अलीगढ़ के विकास के लिए किसी बड़ी योजना या नई सौगात की घोषणा कर सकते हैं.

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा रूट डायवर्जन का प्लान भी तैयार किया जा रहा है. अब सभी की निगाहें 22 जून को होने वाली इस रैली पर टिकी हैं, जो आगामी राजनीतिक और विकास के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है.

आयुष्मान कार्डधारकों को बड़ी राहत, अब नहीं लगाना पड़ेगा लखनऊ का चक्कर, जिले में ही मिलेगी सुविधा

(जीएनएस)।

लखनऊ। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों के लिए राहत भरी व्यवस्था लागू की गई है। अब आयुष्मान कार्ड से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए लाभार्थियों को राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (साचीज) के लखनऊ स्थित कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उनकी समस्याओं का निस्तारण अब जिला स्तर पर ही किया जा सकेगा।

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ), नोडल आयुष्मान अधिकारियों तथा जिला कार्यान्वयन इकाई की टीमों को विशेष तकनीकी आईडी उपलब्ध करा दी गई है।

अब जिला स्तरीय अधिकारी आयुष्मान कार्ड के अप्रूवल, रिजेक्शन और कार्ड को डिसेबल करने जैसी तकनीकी प्रक्रियाओं का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित समाधान कर सकेंगे। दावों (क्लेम) के निस्तारण और भुगतान प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और तेज बनाने के लिए सुधार किए जा रहे हैं।

लगभग 500 करोड़ रुपये की देयता ही लंबित है। उत्तर प्रदेश में दावा निस्तारण एवं भुगतान का औसत टर्न-अराउंड टाइम लगभग 57 दिन है, जबकि राष्ट्रीय औसत 73 दिन है। विभिन्न अनियमितताओं के कारण लगभग 200 अस्पतालों को योजना से डी-एम्पैनल किया गया है।

करीब 300 अस्पतालों में अनियमितताएं मिलने पर नोटिस जारी किए हैं। साचीज का स्पष्ट लक्ष्य है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत केवल वही अस्पताल सक्रिय रहें, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान कर रहे हैं।

ऐसे अस्पतालों को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा उनके दावों और भुगतान के निस्तारण को और अधिक व्यवस्थित एवं समयबद्ध बनाया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जन्मदिन पर सीएम योगी और रेखा गुप्ता समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दीं शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जन्मदिन के अवसर पर देशभर के नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। योगी आदित्यनाथ, रेखा गुप्ता, हिमंता बिस्वा सरमा समेत कई मुख्यमंत्रियों ने राष्ट्रपति के सादगीपूर्ण जीवन, जनसेवा, संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी निष्ठा और राष्ट्र निर्माण में योगदान की सराहना की। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रपति के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जन्मदिन के अवसर पर देशभर के नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। योगी आदित्यनाथ, रेखा गुप्ता, हिमंता बिस्वा सरमा समेत कई मुख्यमंत्रियों ने राष्ट्रपति के सादगीपूर्ण जीवन, जनसेवा, संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी निष्ठा और राष्ट्र निर्माण में योगदान की सराहना की। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रपति के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपका सादगीपूर्ण जीवन, जनजातीय समाज के उत्थान के प्रति अगाध समर्पण तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा देश वासियों के लिए उत्कृष्ट प्रेरणा है। भगवान श्री जगन्नाथ से आपके सुदीर्घ व सुयशपूर्ण जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना है।"

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लिखा, "राष्ट्र की प्रेरणा और सेवाभाव की प्रतिमूर्ति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और

शुभकामनाएं। आपका जीवन संघर्ष से शिखर तक की अनुकरणीय गाथा है। नारीशक्ति की प्रतीक आपकी शालीनता, संवेदनशीलता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा हम सभी का सदैव मार्गदर्शन करती रहे। महाप्रभु जगन्नाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करती हूं।"

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, "शालीनता, बुद्धिमत्ता और गरिमा की प्रतिमूर्ति, उन्हें राष्ट्र-निर्माण में उनके प्रयासों के लिए सभी का सम्मान और सराहना प्राप्त है। हमारे सर्वोच्च कमांडर का जीवन-सफर दृढ़ता, लोकतंत्र और समावेशिता की शक्ति का एक सशक्त उदाहरण है। सामाजिक न्याय और जन-सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमारे महान गणतंत्र को प्रेरित करती है।"

सीएम हिमंता ने आगे लिखा, "उनका मार्गदर्शन देश को प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों की ओर ले जाता रहे। उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से प्रार्थना है।"

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री ने लिखा, "आपका समर्पित जीवन, विनम्र व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आपने अपने संघर्ष, सेवा और नेतृत्व से देश की करोड़ों बेटियों और महिलाओं को नए सपने देखने तथा उन्हें साकार करने का विश्वास दिया है। प्रभु से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और दीर्घायु प्रदान करें और आप निरंतर राष्ट्रहित में अपना अमूल्य योगदान देती रहें।"

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पोस्ट किया, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका विनम्रता, दृढ़ता और समर्पित जन-सेवा का जीवन देश भर में लाखों लोगों को प्रेरित करता है। भगवान बुद्ध आपको उत्तम स्वास्थ्य, सुख और दीर्घायु प्रदान करें, ताकि आप गरिमा और शालीनता के साथ राष्ट्र की सेवा करती रहें।"

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लिखा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आपकी सादगी, संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता हम सभी को प्रेरित करती है। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें।"

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को शुभकामनाएं देते हुए कहा, "आपका सरल व्यक्तित्व, संवेदनशील नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन प्रदान करें व देशवासियों को आपका मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त होता रहे।"

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राष्ट्रपति को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

आईपीएल में युवराज सिंह की धमाकेदार वापसी, इस टीम में नजर आएंगे सिक्सर किंग, दिग्गज के साथ फिर जमेगी जोड़ी?

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे विस्फोटक ऑलराउंडर और दो बार के विश्व कप विजेता युवराज सिंह इंडियन प्रीमियर लीग में एक नई भूमिका में नजर आने वाले हैं। वे आईपीएल 2027 सीजन के लिए दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने जा रहे हैं। साल 2019 में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले युवराज सिंह के करियर की यह पहली कोचिंग पारी होगी।

दिल्ली में होगी युवराज की एंट्री

अपनी पहली खिताबी जीत की तलाश में जुटी दिल्ली कैपिटल्स के लिए युवराज सिंह का डगआउट में आना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। युवाओं की तकनीक और मानसिकता को निखारने का उनका पुराना जमीनी अनुभव फ्रेंचाइजी की किस्मत बदलने में अहम भूमिका निभा सकता है। 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली कैपिटल्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बड़े फैसले की पुष्टि की है।

कई खिलाड़ियों के मेंटोर रहे हैं युवी

दिल्ली कैपिटल्स के सूत्र ने बताया कि युवराज केवल नाम के कोच नहीं होंगे, बल्कि उनका काम करने का तरीका पूरी तरह से 'हैंड्स-ऑन' है। युवराज ने पंजाब के कई युवा क्रिकेटरों जैसे शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य के करियर को संवारने में बड़ी भूमिका निभाई है। इन सभी खिलाड़ियों ने आगे चलकर आईपीएल और भारतीय टीम में बड़ी सफलता हासिल की।

काफी अलग है युवराज का कोचिंग स्टाइल

सूत्र के मुताबिक युवराज का कोचिंग स्टाइल सिर्फ फोन कॉल्स या वर्चुअल सेशन तक सीमित नहीं है। वे कड़ी धूप में खुद मैदान पर खड़े रहकर, नेट के पीछे घंटों समय बिताते हैं और बल्लेबाजों की कमियों को दूर करते हैं। अधिकारी ने कहा कि आशीष नेहरा, जहीर खान और वीरेंद्र सहवाग जैसे युवराज के कई पूर्व साथी खिलाड़ी पहले ही आईपीएल में सफल कोचिंग कर चुके हैं। युवराज भले ही इस रेस में थोड़े देर से आए हैं, लेकिन वे युवाओं की जरूरतों को बखूबी समझते हैं।

फिर नजर आएगी गांगुली और युवी की जोड़ी

इस बड़े बदलाव के साथ मैदान पर एक बार फिर सौरव गांगुली और युवराज सिंह की जोड़ी दिखेगी। अगले दो साल (2027 और 2028) के लिए दिल्ली की पुरुष टीम का संचालन 'खरह ग्रुप' करेगा।

खरह के क्रिकेट डायरेक्टर सौरव गांगुली की पुरुष टीम में वापसी हो रही है। हाल ही में साउथ अफ्रीका टी20 लीग में उनकी देखरेख में प्रिटोरिया कैपिटल्स ने फाइनल तक का सफर तय किया था, ऐसे में गांगुली को दिल्ली कैपिटल्स का मुख्य कोच भी बनाया जा सकता है।

केएल राहुल और ऋषभ पंत को लेकर भी बड़े बदलावों की चर्चा

युवराज सिंह के आने के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स के पूरे कोर सेटअप में बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट तेज है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आगामी सीजन में केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स का नया कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ एक ऐतिहासिक ट्रेड डील के तहत स्पिनर कुलदीप यादव को भेजकर ऋषभ पंत की दिल्ली की टीम में वापसी की प्रक्रिया भी अंतिम दौर में है।